

## कश्मीर घाटी में यूरेशियन ओटर

स्रोत: बज़िनेस लाइन

यूरेशियन ओटर को 25 वर्षों में पहली बार लाइव डॉक्यूमेंटेशन के साथ गुरेज़ घाटी (कश्मीर) में देखा गया है।

- इसे कशिनगंगा नदी ( कृष्णसर झील, गांदरबल ज़िला (जम्मू-कश्मीर) से निकलने वाली ) में मछलियाँ खाते हुए देखा गया।
  - यह नदी PoK में प्रवेश करने से पहले कश्मीर की तुलैल और गुरेज घाटियों से होकर उत्तर की ओर बहती है।

### यूरेशियन ओटर के बारे में:

- **परिचय:** ओटर ???????? नामक स्तनधारी परिवार के सदस्य हैं और **खारे तथा मीठे जल** दोनों में रहते हैं।
  - जम्मू-कश्मीर में, उन्हें स्थानीय रूप से **वोदुर** के नाम से जाना जाता है और **जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद** करते हैं।
  - ओटर मुख्य रूप से **सुबह और शाम (Crepuscular) के समय सक्रिय** होते हैं।
- **प्राकृतिक वास:** हिमालय, पूर्वोत्तर भारत और **पश्चिमी घाट** में पाया जाता है।
- **माँसाहारी आहार:** मछली, क्रेस्टेशियन, उभयचर और कभी-कभी सरीसृप, पक्षी, अंडे, कीड़े और कृमि खाते हैं।
- **संरक्षण स्थिति:** निकट संकटग्रस्त (**IUCN**), अनुसूची I (**वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972**), परशिष्टि I (**CITES**)।
- **भारत में अन्य ओटर प्रजातियाँ:** समूथ-कोटेड ओटर (संपूर्ण भारत में), और स्माल-क्लावेड ओटर (हिमालय और दक्षिणी भारत में)।

और पढ़ें: [फिशिंग कैट एंड ओटर](#)